प्रधानमंत्री मोदी और दूसरे दिग्गज नेताओं की वजह से सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी भाजपा : फडणवीस

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
वर्ष : 43 ■ अंक : 30 ■ सोमवार, 7 अप्रैल 2025 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

मेट्रो का इंतजार कुछ और साल

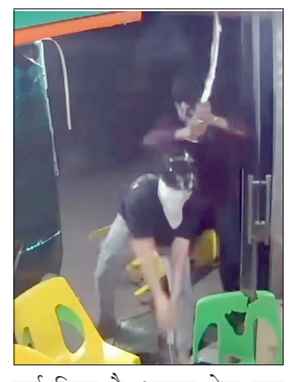

- **कल्याण-तलोजा मेट्रो का काम केवल 3% पूरा**
- **राज्य की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में खुलासा**

उल्हासनगर. राज्य की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ठाणे जिले के शहरों को जोड़ने के लिए पिछले 6-7 वर्षों से निर्माणाधीन मेट्रो परियोजना का काम धीमी गति से चल रहा है. यह स्पष्ट हो रहा है कि कल्याण-तलोजा मेट्रो परियोजना का निर्माण कार्य केवल 3 प्रतिशत पूरा हुआ है और नागरिकों को वडाला से कासारवडावली मेट्रो के लिए दो साल और ठाणे-भिवंडी-कल्याण मेट्रो के लिए चार साल इंतजार करना होगा.

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मीरा रोड में गायमुख से शिवाजी चौक तक मेट्रो परियोजना पर काम प्रगति पर है और यह दिसंबर 2027 में पूरा हो जाएगा. हालांकि नवी मुंबई सीबीडी बेलापुर से पेंढर तक मेट्रो सेवा शुरू हो गई है, लेकिन रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि कल्याण-तलोजा मेट्रो परियोजना का निर्माण कार्य केवल 3 प्रतिशत ही पूरा हुआ है.

राज्य सरकार ने ठाणे जिले में सड़क और रेल परिवहन पर यात्रियों के बोझ को कम करने और नागरिकों को सार्वजनिक परिवहन के लिए एक नया विकल्प प्रदान करने के उद्देश्य से मुंबई सहित ठाणे जिले में एक मेट्रो परियोजना बनाने का निर्णय लिया. तदनुसार, ठाणे जिले में विभिन्न मेट्रो मार्गों की घोषणा की गई है और इन सभी परियोजनाओं पर काम मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है. ठाणे, भिवंडी, कल्याण, मीरा रोड और तलोजा जिले मेट्रो के माध्यम से एक दूसरे से जुड़ जाएंगे. हालांकि, राज्य की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट से पता चला है कि इन सभी परियोजनाओं पर काम धीमी गति से चल रहा है, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि ठाणे जिले के नागरिकों को मेट्रो के लिए कुछ और वर्षों तक इंतजार करना होगा.

वडाला-घाटकोपर-ठाणे-कासरवडवली मेट्रो परियोजना पर काम 2018 में शुरू किया गया था. यह मार्ग लगभग 32 किमी लंबा है और श्रमिक वर्ग के लिए महत्वपूर्ण होगा. इस सड़क का निर्माण कार्य 75 प्रतिशत पूरा हो चुका है. राज्य की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि शेष 25 प्रतिशत कार्य अप्रैल 2027 तक पूरा हो जाएगा. इसलिए, यह स्पष्ट है कि हमें इस परियोजना के लिए दो साल और इंतजार करना होगा. इस मार्ग से जुड़ने वाली 2.7 किलोमीटर लंबी कासरवडावली से गायमुख मेट्रो परियोजना का निर्माण कार्य 86 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जबकि 14 प्रतिशत कार्य दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा.

ठाणे-भिवंडी मेट्रो का काम 2029 तक होगा पूरा

ठाणे-भिवंडी-कल्याण मेट्रो परियोजना तीन शहरों को एक दूसरे से जोड़ेगी और यह परियोजना महत्वपूर्ण मानी जा रही है. यह परियोजना 23 .5 किलोमीटर लंबी है और इसका कार्य 2019 में शुरू हुआ था. इस मार्ग पर काम दो चरणों में किया जा रहा है और पहले चरण में ठाणे से भिवंडी तक मेट्रो सेवाएं शुरू की जाएंगी. इस मेट्रो लाइन का निर्माण कार्य 94 प्रतिशत पूरा हो चुका है. हालाँकि, रिपोर्ट में भिवंडी को कल्याण क्षेत्र से जोड़ने वाली सड़क के निर्माण कार्य के बारे में जानकारी नहीं दी गई है. रिपोर्ट का अनुमान है कि इसे पूरा होने में 2029 का समय लगेगा.

भाजपा नेता के कार्यालय पर तलवार से हमला

- **भारी तोड़-फोड़**
- **नेता बचा बाल-बाल, कर्मचारी घायल**
- **डीसीपी घटना स्थल पर पहुंचे**

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व में भाजपा नेता के कार्यालय पर 10 से 12 लोगों ने मुंह पर रूमाल बांधकर तलवारों से लैस शनिवार रात में हमला करके कांच, कुर्सियां तोड़ दी. कार्यालय में उपस्थित कर्मचारी को तलवार से मारने का प्रयास किया. उसके चेहरे पर चोटें आई हैं. शिवाजी नगर पुलिस ने 10 से 12 हमलावरों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के अनुसार अपराध दर्ज किया है. भाजपा नेता राजू म्हाडिक और उसके पुत्र पूर्व नगरसेवक रोहित म्हाडिक का कार्यालय शहर पूर्व के बी केबिन रोड, एक्सिस बैंक के पास है. ये हमला उस समय हुआ जब रोहित 10 मिनट पूर्व ही आफिस से घर पर पहुंचे. उस समय कर्मचारी कृष्णा संतोष गुप्ता 10.40 बजे कार्यालय में बैठे थे. कृष्णा ने दो हमलावरों के नाम आशुतोष कराले उर्फ डक्या और गनी रफीक शेख पुलिस को बताया है. 10 अन्य हमलावर अज्ञात हैं. रोहित म्हाडिक ने हमें बताया कि वह शहर पूर्व में सामाजिक कार्य करते हैं और विकास कार्य भी कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि हमलावर उन्हें जान से मारने आए थे. लेकिन वह उन्हें मिले नहीं. इसलिए तलवार से कार्यालय को तोड़ दिया. इस हमले के बाद पुलिस भी सतर्क हो गई है. हमलावरों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा,ऐसा पुलिस उपायुक्त गोरे ने घटना स्थल का दौरा करने के बाद पत्रकारों से कहा है. यह हमला राजकीय है या कोई अन्य मामले को लेकर है, कहा नहीं जा सकता. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश पाटिल भी घटना स्थल पर मौजूद थे. म्हाडिक के चाहने वालों की भीड़ कार्यालय के बाहर भारी संख्या में जमा हो गई थी.

उल्हासनगर में श्वान नसबंदी अभियान फिर शुरू

- **आवारा कुत्तों का उत्पात रुकेगा**

उल्हासनगर. शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या से नागरिक परेशान हैं. कई स्थानों पर कुत्तों के हमलों में भारी वृद्धि हुई. हालाँकि, सात महीने की देरी के बाद, उल्हासनगर मनपा ने अंततः निर्बीजीकरण केंद्र को फिर से खोल दिया है. नये ठेकेदार की नियुक्ति के बाद यह अभियान और तेजी से चलाया जाएगा तथा शेष आवारा कुत्तों की नसबंदी करने के आदेश दे दिए गए हैं.

उल्हासनगर मनपा के स्वास्थ्य विभाग के एक सर्वेक्षण के अनुसार, शहर में वर्तमान में

14,000 आवारा कुत्ते हैं. नसबंदी अभियान का शुभारंभ 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा किया गया था. 2023 में नसबंदी केंद्र खुलने के बाद से अब तक 10 हजार कुत्तों की नसबंदी की जा चुकी है. हालाँकि, निविदा समाप्त होने के कुछ महीनों के भीतर ही केंद्र बंद हो गया. परिणामस्वरूप, शहर में आवारा कुत्तों की संख्या फिर से बढ़ गई.

अब, एक नए ठेकेदार को शेष चार हजार कुत्तों की जिम्मेदारी सौंपी गई है. अब जबकि नया ठेकेदार नियुक्त हो गया है, अभियान पुनः शुरू हो गया है, जिसका लक्ष्य आगामी महीनों में कुत्तों की नसबंदी का कार्य पूरा करना है. अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह अभियान कितना सफल होता है और उल्हासनगर के लोगों को आवारा कुत्तों के उपद्रव से कितनी जल्दी मुक्ति मिलती है.

समस्या नियंत्रण

शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या के कारण सड़कों पर घूमने वाले नागरिकों के लिए परेशानी खड़ी हो रही है. बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को विशेष खतरा था. नगर निगम प्रशासन ने विश्वास जताया है कि नए डी-सीडिंग अभियान से समस्या पर काफी हद तक काबू पा लिया जाएगा.

> शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या के संबंध में नागरिकों से प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान दिया गया. यह समस्या और भी बदतर हो गई थी क्योंकि नसबंदी केंद्र कुछ महीनों से बंद था. हालाँकि, अब एक नया ठेकेदार नियुक्त किया गया है, और शेष कुत्तों की नसबंदी का काम जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा. नागरिकों की सुरक्षा एवं कुत्तों के संरक्षण के लिए यह अभियान निरंतर चलाया जाएगा.
>
> **– मनीषा आव्हाले,** मनपा आयुक्त

बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार

- **सेंट्रल पुलिस ने की कार्रवाई**
- **25 से अधिक बांग्लादेशियों को किया गया गिरफ्तार**

उल्हासनगर. सेंट्रल पुलिस ने फॉरवर्ड लाइन राधास्वामी सत्संग के कैंप क्रमांक 3 स्थित राधा अपार्टमेंट से एक बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया. महिला का नाम अमीना खातून हारुन गाजी उर्फ रेक्सोना उर्फ पूजा (उम्र 34) है और पुलिस जांच में पता चला है कि वह घरकाम करती है.

शहर के अपराध जांच विभाग और शहर पुलिस ने कुछ महीनों में

उल्हासनगर और पड़ोसी गांवों में अवैध रूप से रह रहे 25 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है. कैंप नंबर 3, सेंट्रल पुलिस को सूचना मिली कि अमीना उर्फ रेक्सोना उर्फ पूजा नाम की एक बांग्लादेशी महिला फॉरवर्ड लाइन राधास्वामी सत्संग स्थित राधा अपार्टमेंट बिल्डिंग में रहती है और कपड़े धोने का काम करती है.

काम की तलाश में आई उल्हासनगर

पता चला कि वह बिना किसी वैध दस्तावेज के भारत-बांग्लादेश सीमा से अवैध रूप से भारतीय सीमा में प्रवेश कर गई थी और काम की तलाश में उल्हासनगर आई थी. क्या उसके साथ कोई और भी रहता है? क्या वह किसी अन्य बांग्लादेशी नागरिक को जानती है? सेंट्रल पुलिस इसकी जांच कर रही है. पुलिस ने जब उसे गिरफ्तार कर पूछताछ की तो पता चला कि वह आशासुनी श्रीकालोश, आशासुनी पुलिस स्टेशन, शाखिरा बांग्लादेश की रहने वाली है.

उल्हासनगर में 'वाहन पार्किंग' की समस्या का होगा समाधान

- **मनपा के स्मार्ट पार्किंग ऐप से नागरिकों को मिली राहत**

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगर पालिका शहरवासियों के लिए एक आधुनिक, स्मार्ट और डिजिटल पार्किंग सुविधा ऐप लागू कर रहा है! यह ऐप एक क्लिक में आपकी पार्किंग की चिंता दूर कर देगा. सड़क पर जगह खोजने की जरूरत नहीं है, बस पार्किंग ऐप खोलें और आप देखेंगे कि कितनी जगहें उपलब्ध हैं और किराया कितना है, सब कुछ आपके मोबाइल पर दिखाई देगा, जिससे आपके वाहन को पार्क करने का झंझट खत्म हो जाएगा.

उल्हासनगर मनपा द्वारा जल्द ही लॉन्च किए जाने वाले स्मार्ट पार्किंग ऐप के माध्यम से ड्राइवरों को शहर में अधिकृत पार्किंग स्थलों के बारे में जानकारी मिलेगी, जिसमें स्थान, स्थान की उपलब्धता, दरें और अन्य सुविधाएं शामिल होंगी.

यह ऐप केवल सूचनात्मक उद्देश्यों के लिए है.

प्रशासक एवं आयुक्त मनीषा आव्हाले ने उल्हासनगर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने, अवैध पार्किंग को नियंत्रित करने और नागरिकों को परेशानी मुक्त सुविधाएं प्रदान करने के लिए पहल की है. इस स्मार्ट पार्किंग ऐप को प्रॉपर्टी विभाग के प्रमुख अजय साबले और वाहन प्रबंधक विनोद केने के मार्गदर्शन में विकसित किया जा रहा है. यह योजना सिर्फ सुविधा नहीं है, यह एक सशक्त कदम है. स्मार्ट पार्किंग ऐप जल्द ही गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध होगा. उल्हासनगर मनपा ने वाहन चलाने से पहले ऐप खोलने, पास की पार्किंग बुक करने और कैशलेस भुगतान के साथ सरल और सुविधाजनक पार्किंग अनुभव का आनंद लेने की अपील की है.

स्मार्ट पार्किंग ऐप के लॉन्च होने के बाद उल्हासनगर में पार्किंग सर्च, ट्रैफिक जाम और अवैध रूप से पार्क की गई कारों की समस्याएं काफी कम हो जाएंगी. आशा है कि अनुशासित पार्किंग से शहर अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और गतिशील बनेगा.

> आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आयुक्त मनीषा आव्हाले मैडम की संकल्पना के आधार पर यह स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था शुरू की जा रही है. स्मार्ट पार्किंग ऐप ड्राइवरों को आसानी से उपयुक्त और अधिकृत पार्किंग ढूंढने, यातायात की भीड़ को कम करने और शहर में व्यवस्था सुनिश्चित करने में मदद करेगा.
>
> **–विनोद केने,** वाहन प्रबंधक, मनपा

टिटवाला बनेली इलाके से नाबालिग छात्रा लापता

कल्याण. टिटवाला के बनेली इलाके की 15 वर्षीय स्कूली छात्रा अपने घर से लापता हो गई. लड़की के माता-पिता ने उसके रिश्तेदारों और उसके घर के आस-पास के क्षेत्र में उसकी काफी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली. इसलिए परिवार ने टिटवाला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें संदेह है कि किसी ने लड़की को बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया है.

लड़की की मां ने टिटवाला पुलिस स्टेशन में दी अपनी शिकायत में कहा है कि हम पति-पत्नी और हमारे तीन बच्चे टिटवाला के बनेली इलाके में रहते हैं. हमारी 15 वर्षीय बेटी टिटवाला क्षेत्र के एक स्कूल में कक्षा 9 में पढ़ती है. बुधवार को उसकी तबीयत ठीक नहीं थी. इसलिए वह स्कूल नहीं गयी. लड़की के पिता टैक्सी ड्राइवर हैं. मैं खुद मुंबई में एक निजी प्रतिष्ठान में काम करता हूं. मेरी बेटी बुधवार को सुबह 11 बजे तक घर पर थी. लड़की का पिता दोपहर दो बजे के बाद घर आया. उस समय घर का दरवाज़ा बंद था. इसलिए उन्होंने अपनी बेटी से संपर्क किया. उसने कोई जवाब नहीं दिया. चूंकि लड़की कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रही थी, इसलिए माता-पिता ने टिटवाला और बनेली इलाकों में अपने रिश्तेदारों और लड़की के दोस्तों से पूछताछ की. वह कहीं नहीं मिली. इसलिए लड़की की मां ने टिटवाला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें संदेह जताया गया है कि किसी ने लड़की को बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया है. लड़की हिन्दी बोल रही है. शिकायत में कहा गया है कि उसके पास रेडमी मोबाइल फोन है. टिटवाला पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और लापता लड़की की तलाश शुरू कर दी है.

सिंधी भाषा दिवस पर दीपक वाटवानी द्वारा मुहिंजी बोली सिंधी बोली कार्यक्रम

उल्हासनगर. शहर के जाने-माने कलाकार व सिंधी फिल्मों के निर्देशक दीपक वाटवानी द्वारा 10 अप्रैल को सिंधी भाषा दिवस पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. मुहिंजी बोली सिंधी बोली कार्यक्रम गुरुवार 10 अप्रैल 2015 को शाम 7 बजे सिंधु यूथ सर्कल उल्हासनगर-3 में आयोजित किया गया है. जहां पर वीटीवी प्रोडक्शन के कलाकार अपनी कला के जौहर दिखाएंगे. साथ ही सिंधी भाषा पर जागरूकता करने हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम, सिंधियत पर संदेश भी दिया जाएगा. इस कार्यक्रम में मुफ्त एंट्री रखी गई है इसलिए इस कार्यक्रम में सभी सिंधी समाज से जुड़े लोगों को इस अवसर पर आने की अपील दीपक वाटवानी व उनकी ग्रुप ने की है. सिंधी भाषा में बोलना, पढ़ना, लिखना जैसी महत्वपूर्ण बातों पर रोशनी डाली जाएगी साथ ही धर्मांतरण करने वाले सिंधी समाज को घर वापसी की भी हिदायत इस कार्यक्रम द्वारा दी जाएगी.

परिवहन विभाग का ट्रैफिक वार्डन रिश्वत लेते गिरफ्तार

कल्याण. पिछले महीने कल्याण यातायात विभाग के एक यातायात पुलिस अधिकारी प्रवीण गोपाले को एक माल ट्रांसपोर्टर से पांच सौ रुपये की रिश्वत लेते समय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के जाल में पकड़ा गया था. इस बार कल्याण यातायात शाखा के एक ट्रैफिक वार्डन को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने एक ड्राइवर से 2,000 रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ा है.

लगातार हो रहे इन मामलों के कारण वाहन मालिक और चालक सवाल उठा रहे हैं कि कल्याण यातायात शाखा की ट्रैफिक पुलिस यातायात व्यवस्था बनाने के लिए सड़कों पर खड़ी है या फिर रिश्वतखोरी के लिए. रिश्वत लेते पकड़े गए परिवहन कर्मचारी का नाम वैभव युवराज शिरसाट (26) है. यह गिरफ्तारी भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के पुलिस निरीक्षक राजेश जागड़े के नेतृत्व वाली टीम ने की. इस संबंध में महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.

महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि एक चालक ने कल्याण रेलवे स्टेशन क्षेत्र में अवैध रूप से अपना दोपहिया वाहन पार्क किया था. यह बाइक परिवहन विभाग द्वारा कल्याण परिवहन शाखा में जमा कर दी गई थी. ट्रैफिक पुलिस ने इस दोपहिया वाहन को छुड़ाने के लिए

दोपहिया वाहन के मालिक से तीन हजार रुपये मांगे थे. समझौता के बाद यह राशि दो हजार रुपये देना तय हुआ. इस मामले में वाहन मालिक ने भ्रष्टाचार निरोधक विभाग में शिकायत दर्ज कराई. भ्रष्टाचार निरोधक विभाग द्वारा संपर्क सत्यापन में पता चला कि यातायात पुलिस रिश्वत मांग रही थी. दोपहिया वाहन का मालिक अपना वाहन छुड़ाने के लिए यातायात विभाग आया था. उस समय यातायात अधिकारी वैभव शिरसाट 3000 रुपए की बजाय 2000 रुपए लेने के लिए राजी हो गया.

कल्याण सिटी यातायात शाखा के बाहर सार्वजनिक सड़क पर वाहन छोड़ने के लिए जैसे ही उसने 2,000 रुपये लिए, उसी समय, जाल बिछाकर बैठी भ्रष्टाचार निरोधक विभाग की टीम ने वैभव शिरसाट को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया. पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है. टीम ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि क्या इस मामले में कोई और भी शामिल है.

उल्हास नदी में बढ़ती मौतों को लेकर प्रशासन अलर्ट

- **तालुका प्रशासन चेतावनी संकेत लगाने सहित अन्य उपाय भी करेगा**

बदलापुर. बदलापुर से होकर साल भर बहने वाली उल्हास नदी में तैरने वाले लोगों की डूबने से होने वाली मौतों की संख्या पिछले कुछ वर्षों में बढ़ गई है. इसलिए, तालुका प्रशासन ने नदी के किनारों पर कदम उठाने शुरू कर दिए हैं. अति उत्साही और गैर-जिम्मेदार पर्यटकों को रोकने के लिए खतरनाक स्थानों पर चेतावनी संकेत लगाए जाएंगे. यहां बचाव व्यवस्था स्थापित करने की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं.

ठाणे जिले की प्यास बुझाने वाली उल्हास नदी पर्यटन का भी केंद्र है. भीमाशंकर पर्वत से निकलकर कर्जत, वांगनी, बदलापुर और उल्हासनगर से होकर बहने वाली उल्हास नदी कई लोगों को आकर्षित करती है. इसलिए, पिछले कुछ वर्षों में नदी के किनारे और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पर्यटन केंद्र, निजी फार्म और रिसॉर्ट विकसित हुए हैं. इसके अलावा, चूंकि यह नदी पूरे वर्ष बहती रहती है,

इसलिए कई लोग मौज-मस्ती करने और टहलने के लिए नदी के किनारे जाते हैं. पर्यटक अक्सर पानी में चले जाते हैं. इसलिए, यह देखा गया है कि पानी के पूर्वानुमान की कमी के कारण कई लोग डूब रहे हैं.

पिछले कुछ वर्षों में ऐसी घटनाएं बढ़ी हैं. होली के दिन उल्हास नदी में अलग-अलग स्थानों पर डूबने से 6 लोगों की मौत हो गई थी. इन घटनाओं के कुछ दिन बाद ही उल्हास नदी में दो और लोग डूब गए थे. ये दोनों लोग मुम्बई से पर्यटन के लिए आये थे और आप्टी बांध के पास डूब गये. इसलिए इस स्थान पर उपाय किए जाने की आवश्यकता व्यक्त की जाने लगी. तालुका प्रशासन ने पर्यटकों को उल्हास नदी के खतरनाक हिस्सों, गहरे हिस्सों और उन स्थानों के बारे में जानकारी देने के लिए कदम उठाए हैं, जहां दुर्घटनाएं हो सकती हैं.

अंबरनाथ के तहसीलदार अमित पुरी ने बताया कि इस स्थान पर जानकारी उपलब्ध कराने, अग्निशमन यंत्र उपलब्ध कराने तथा स्थानीय युवाओं को बचाव के लिए तैयार रखने की योजना पर काम चल रहा है. उन्होंने यह भी कहा है कि इस कार्य में सहयोग के लिए स्थानीय अंबरनाथ और बदलापुर नगरपालिकाओं से भी चर्चा की जाएगी. अंबरनाथ तालुका के कोंडेश्वर में मानसून के मौसम में तालाबों में डूबने से दुर्घटनाएं भी होती हैं. इसलिए, हर साल जिले में अधिकांश स्थानों पर पर्यटन पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है.

उत्साह के साथ मनाई गई राम नवमी

अंबरनाथ. अंबरनाथ में रामनवमी उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई. भजन कीर्तन पूजा का आयोजन करके शहर में रामनवमी का जुलूस निकाला गया. शहर में राममंदिरों को फूलों एवं रोशनाई से सजाया गया था. शहर पश्चिम में कोहोजगांव स्थित राम मंदिर में गत तीन दिनों से भजन कीर्तन का आयोजन हुआ. यहां पर बहुत ही पुराना राम मंदिर है, जहां हर वर्ष रामनवमी उत्सव श्रद्धा के साथ मनाया जाता है. शाम में जोरदार जुलूस निकाला गया. शहर के नेताओं ने भी इस जुलूस में भाग लिया. केबी रोड पर एक बंद कम्पनी में भी पुराना राम मंदिर है. यहां पर शाम में झांकियों के साथ जुलूस निकाला गया. जय श्रीराम के नारे लगाए गए. जावसाई गांव, बुवापाड़ा में भी रामनवमी की धूम देखी गई. शहर पूर्व में कानसई सूर्योदया परिसर रॉयल पार्क में भी राम भक्तों ने अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया. भगवान राम, लक्ष्मण, सीता एवं हनुमान की वेशभूषा में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस वर्ष महाकुंभ के बाद से ही धार्मिक कार्यक्रमों में लोग उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं. शहर पूर्व और पश्चिम में पुलिस का कड़ा बंदोबस्त रहा.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

भारत-थाईलैंड साझेदारी

भारत और थाईलैंड ने आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाते हुए इसे रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने पर सहमति जता कर पूरी दुनिया को बड़ा संदेश दिया है. हिंद प्रशांत क्षेत्र में समावेशी और नियम आधारित व्यवस्था के लिए यह दूरगामी पहल है. दक्षिण-पूर्व एशिया के सात देशों के संगठन (बिम्सटेक) के सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने थाईलैंड के साथ संबंधों को एक नए सफर पर ले जाने की बात करते हुए दरअसल, भारत के हिंद प्रशांत दृष्टिकोण को सामने रखा है. इसी के साथ दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं. इससे द्विपक्षीय सहयोग के नए दरवाजे खुलने की उम्मीद है. मगर इन सबमें सबसे महत्त्वपूर्ण सामरिक समझौता है.

भारत और थाईलैंड के बीच आर्थिक तथा सांस्कृतिक समझौता वर्षों से है

भारत और थाईलैंड के बीच आर्थिक तथा सांस्कृतिक समझौता वर्षों से है. दोनों देशों के बीच इस समय व्यापार सार्वकालिक स्तर पर है. यही वजह है कि दोनों ही व्यापारिक गतिविधियां और परस्पर निवेश बढ़ाने पर भी सहमत हुए हैं. आसियान क्षेत्र में सिंगापुर, मलेशिया, वियतनाम और इंडोनेशिया के बाद थाईलैंड भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है. अब अगर दोनों देश रणनीतिक साझेदारी का नया अध्याय लिखने जा रहे हैं, तो इसके पीछे मजबूत रक्षा संबंधों की पृष्ठभूमि भी है.

बिम्सटेक सम्मेलन में भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह विस्तारवाद में नहीं, विकास में विश्वास रखता है. यह एक तरह से दुनिया की बड़ी ताकतों को संदेश है कि सभी देशों को एक दूसरे का सहयोग करते हुए आगे बढ़ना चाहिए. थाईलैंड के साथ सामरिक साझेदारी बढ़ाने की पहल उसकी रणनीति का हिस्सा है. यह साझेदारी परस्पर सहयोग को नया धरातल देगी. भारत के लिए बिम्सटेक महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह संगठन हिंद महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव से लड़ने और उसे रोकने में मदद करता है.

इस लिहाज से थाईलैंड से सामरिक संबंध भारत के लिए जरूरी है. बिम्स्टेक से जुड़े नेपाल, भूटान, म्यांमा, बांग्लादेश, श्रीलंका, थाईलैंड और भारत व्यापारिक रिश्ते बढ़ाते हुए अगर मुक्त व्यापार समझौता भी कर लें, तो दक्षिण-पूर्व क्षेत्र प्रगति के नए पथ पर चल सकता है. तब दुनिया की इक्कीस फीसद आबादी का नेतृत्व करने वाले देशों की उपेक्षा दुनिया नहीं कर पाएगी.

जरूरी था वक्फ कानून में बदलाव

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल का प्रारंभ करते समय यह स्पष्ट किया था कि उनकी सरकार अपने एजेंडे के अनुरूप ही आगे बढ़ती रहेगी. इसी क्रम में उन्होंने वक्फ कानून में बदलाव का जो फैसला लिया, उस पर पिछले दिनों संसद की मुहर लग गई. संसद के दोनों सदनों ने व्यापक बहस के बाद वक्फ संशोधन विधेयक को स्वीकृति प्रदान कर दी. मोदी सरकार ने अपने पहले और दूसरे कार्यकाल में भी अनेक बड़े फैसले किए थे. इनमें जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 का खात्मा और नागरिकता कानून में संशोधन प्रमुख हैं. उनकी सरकार ने मुस्लिम समाज में सुधार लाने की दृष्टि से तीन तलाक की कुप्रथा के खिलाफ कानून बनाने का जो फैसला किया, वह भी एक बड़ा कदम था. इस फैसले ने मुस्लिम समाज की महिलाओं को उत्पीड़न और उपेक्षा से बचाने का काम किया. वक्फ कानून में बदलाव भी मुस्लिम समाज के हितों की रक्षा करने वाला फैसला है.

वक्फ की व्यवस्था आजादी के पहले से ही चली आ रही है. आजादी के बाद पहली बार 1954 में वक्फ कानून बना. इसके बाद समय-समय पर उसमें बदलाव किए गए. सबसे उल्लेखनीय बदलाव 1995 में किया गया. इसके जरिये वक्फ बोर्डों को और अधिक अधिकार दिए गए. 2013 में इन अधिकारों को और पुष्ट करते हुए वक्फ बोर्डों को मनमाने अधिकार दे दिए गए.

वक्फ बोर्डों का मुख्य कार्य है सामाजिक-धार्मिक कार्यों के लिए दान की गई संपत्तियों की देखरेख

करना और उनसे होने वाली आय से गरीब मुसलमानों की मदद करना. इसमें कोई संदेह नहीं कि वक्फ बोर्ड इस उम्मीद पर खरे नहीं उतरे. देश में सेना और रेलवे के बाद सबसे अधिक जमीन वक्फ बोर्डों के पास है. 1913 से 2013 तक वक्फ बोर्डों के पास कुल 18 लाख एकड़ जमीन थी. 2013 में वक्फ कानून में संशोधन कर वक्फ बोर्डों को दिए गए मनमाने अधिकारों के चलते उनकी कुल जमीन 39 लाख एकड़ हो गई. 2013 से 2025 के बीच यानी महज 12 साल में 21 लाख एकड़ जमीन बढ़ जाना यही बताता है कि वक्फ बोर्डों ने मनमाने तरीके से दूसरों की जमीनें अपने नाम कीं. इसके बाद भी उनकी आय नहीं बढ़ सकी. यह हैरानी की बात रही कि वक्फ बोर्डों से कोई भी यह पूछने-जांचने वाला नहीं रहा कि उनकी इतनी अधिक संपत्ति के बाद भी उनकी आय क्यों नहीं बढ़ी?

वक्फ संशोधन विधेयक के जरिये वक्फ बोर्डों की कार्यप्रणाली में अनेक बदलाव करने के साथ वक्फ कानून के उस विभेदकारी प्रविधान को खत्म किया गया है, जिसके तहत वक्फ बोर्डों के फैसलों के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील का अधिकार नहीं था. वक्फ बोर्ड केवल इस गंभीर आरोप से ही दो-चार नहीं हैं कि वे मनमाने तरीके से सरकारी और गैर सरकारी जमीनों पर अपना दावा करते रहते हैं, बल्कि इससे भी हैं कि वे अपनी जमीनों को गैर कानूनी तरीके से औने-पौने दाम में बेच देते हैं या फिर उन्हें मामूली किराए पर दे देते हैं. वक्फ की न जाने कितनी जमीनें बिल्डरों को बेची जा चुकी हैं और वे उन पर रिहायशी और व्यावसायिक इमारतें खड़ी कर चुके हैं. इसी तरह यह भी किसी से छिपा नहीं कि जिन वक्फ संपत्तियों से लाखों रुपये किराया मिल सकता है, उनसे हजारों रुपये ही लिया जाता है. इससे यही पता चलता है कि वक्फ बोर्डों में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है. इस भ्रष्टाचार में प्रभावशाली मुस्लिम नेता शामिल हैं. इनमें सियासी नेता भी हैं और मजहबी भी. कई राज्यों में ऐसे अनेक नेताओं के नाम भी सामने आ चुके हैं.

इससे कोई भी और यहां तक तमाम मुस्लिम नेता भी असहमत नहीं कि वक्फ बोर्ड उस उद्देश्य को पूरा नहीं कर पा रहे हैं, जिनके लिए उनका गठन किया गया था. वे न तो अपनी संपत्तियों की सही तरह देखरेख कर पा रहे हैं और न ही उनसे उपयुक्त आय अर्जित कर गरीब मुसलमानों की किसी तरह की मदद कर पा रहे हैं. इससे निर्धन मुस्लिम समाज भी अच्छी तरह परिचित है. तथ्य यह भी है कि वक्फ बोर्डों की भ्रष्ट और मनमानी कार्यप्रणाली से पीड़ित लोगों में मुसलमानों की भी अच्छी-खासी संख्या है. इसी कारण वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने के बाद अनेक मुसलमानों ने खुशी जताई. इनमें वे मुस्लिम भी हैं, जिनकी जमीन-जायदाद को वक्फ बोर्डों ने मनमाने तरीके से हथिया लिया था.

जब हम प्रभु-प्रेम में रंगे जाते हैं, तो हम प्रभु से एकमेक भी हो जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

कांचा जंगल पर हक की जंग

जंगलों की कटाई को लेकर अक्सर सवाल उठते, आंदोलन उभरते रहते हैं, पर हकीकत यही है कि जंगल कटने बंद नहीं होते. हसदेव का जंगल कटना शुरू हुआ, तो देश भर के पर्यावरण प्रेमी चिंतित नजर आए, लंबे समय तक आंदोलन चला, मगर उसका कटना नहीं रुक पाया. अब वैसा ही आंदोलन हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के पास कांचा गाचीबोवली वन क्षेत्र के चार सौ हेक्टेयर भूखंड पर अधिग्रहण और पेड़ों की कटाई को लेकर शुरू हो गया है.

विश्वविद्यालय के छात्र और पर्यावरणकर्मी इस क्षेत्र को संरक्षित वन क्षेत्र घोषित करने की मांग कर रहे हैं. जब आंदोलन उग्र रुख अख्तियार करता दिखा, तो सर्वोच्च न्यायालय ने अगले आदेश तक किसी भी गतिविधि पर रोक लगा दी. दरअसल, हैदराबाद विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि इस भूखंड पर मालिकाना हक उसका है, जबकि राज्य सरकार उसे अपना बता रही है. सरकार उस क्षेत्र को साफ करके वहां औद्योगिक क्षेत्र बनाना चाहती है. मगर आंदोलनकारियों का कहना है कि यह क्षेत्र संवेदनशील है और इसमें चाढ़े चार सौ से अधिक वन्य प्रजातियों का बसेरा है. इसे संरक्षित क्षेत्र घोषित करना चाहिए.

हालांकि यह विवाद नया नहीं है. करीब ढाई वर्ष पहले वहां के उच्च न्यायालय ने फैसला दिया था कि विश्वविद्यालय के पास इस जमीन के मालिकियत का कोई उचित दस्तावेज नहीं है. उस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई, तो उसने उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि जमीन पर मालिकाना हक राज्य सरकार का है. उसी आधार पर

राज्य सरकार ने उस क्षेत्र का व्यावसायिक उपयोग करने का निर्णय किया था. मगर यह सवाल अपनी जगह है कि सरकार ने उस क्षेत्र के वन्य प्राणियों के पुनर्वास की क्या योजना बनाई है. यह सवाल सर्वोच्च न्यायालय ने भी पूछा है.

अदालत ने जानना चाहा है कि क्या इसके लिए सरकार ने पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्रमाणपत्र लिया है! ये तथ्य तो अदालती सुनवाई के दौरान पता चल सकेंगे, पर असल मुद्दा है कि आज जब जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव सब ओर नजर आने लगा है, सरकारों को वन क्षेत्र की सुरक्षा का सवाल गंभीर क्यों नहीं जान पड़ता. सरकार का किसी भूखंड पर स्वामित्व होने का यह अर्थ कतई नहीं होता कि उसे पर्यावरण और वन्यजीव अधिनियम की फिक्र करने की कोई जरूरत नहीं. आखिर उद्योगीकरण की भूख इतनी विकराल क्यों हो गई है कि पारिस्थितिकी का सवाल वहां कोई मायने ही नहीं रखता.

इसी हफ्ते संसद में एक सवाल के जवाब में केंद्र सरकार ने बताया कि पच्चीस राज्यों से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक अब तक करीब तेरह हजार वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र पर अतिक्रमण हो चुका है. यह क्षेत्र कुछ छोटे राज्यों के आकार के बराबर है. वैसे ही बिगड़ते पारिस्थितिकी संतुलन और तेजी से शुष्क हो रही हवाओं के कारण जंगलों के जीवन पर गंभीर खतरा मंडराने लगा है, उसमें अगर सरकारें खुद विकास के नाम पर जंगल उजाड़ने पर तुली हैं, तो चिंता स्वाभाविक है. प्राकृतिक रूप से बने जंगलों पर आखिर किसका अधिकार होना चाहिए, यह परिभाषित करना रह गया है, इसलिए सड़कों, भवनों, औद्योगिक इकाइयों आदि के लिए पर्यावरण प्रभाव का माकूल मूल्यांकन करने के बजाय सरकारों की इच्छा सर्वोपरि मान ली जाती है. इससे संबंधित कानून बहुत कमजोर कर दिए गए हैं, विकास का मुद्दा बड़ा हो गया है. इस पर फिर से संवेदनशील तरीके से विचार की जरूरत है.

धरती पर होगी 'कचरे की बारिश', साथ लाएगी बड़ी आफत!

जरा हट के

आपने आसमान से पानी बरसते देखा होगा, बर्फ बरसते भी देखा होगा. पर क्या आपने कभी आसमान से कचरा बरसते देखा है? अगर नहीं देखा, तो शायद आने वाले सालों में जरूर देख लेंगे! वो इसलिए क्योंकि धरती के बाहर स्पेस में कचरा तैर रहा है, जो तेजी से धरती की ओर बढ़ रहा है. यही कचरा बारिश के तौर पर धरती पर बरस सकता है. पर इस बारिश से आपको राहत नहीं महसूस होगी, बल्कि ये आपके लिए आफत लेकर आएगी. इस कचरे की बारिश से धरती पर काफी नुकसान हो सकता है. इस बारिश की वजह से वैज्ञानिक भी चिंतित हैं.

डेली स्टार न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार स्पेस में पुरानी सैटलाइट और रॉकेट के टुकड़े तैर रहे हैं. ये ऑर्बिट से बाहर छटक रहे हैं और धरती की ओर बढ़ रहे हैं. यूरोपियन स्पेस एजेंसी के अनुसार इन सैटलाइट या रॉकेट के काफी टुकड़े तो

धरती के वातावरण में आते ही जल जा रहे हैं, मगर काफी टुकड़े बच जा रहे हैं. वैज्ञानिकों ने बताया कि आलम ये हो चुका है कि सैटलाइट और रॉकेट के टुकड़े, दिन में करीब 3 बार तक धरती के वायुमंडल में प्रवेश कर जा रहे हैं.

इसे आप अंदाजा लगा सकते होंगे कि जब भारी टुकड़े उतनी ऊंचाई से नीचे गिरेंगे, तो वो कितना ज्यादा नुकसान कर सकते हैं. पहले भी वो गिरा करते थे, पर धरती पर 70 फीसदी पानी होने की वजह से उन टुकड़ों का लोगों के ऊपर या घरों के ऊपर गिरने का चांस कम हुआ करता था. पर अब जित हिसाब से ज्यादा संख्या में टुकड़े गिर रहे हैं, ऐसा माना जा रहा है कि वो रिहायशी इलाकों में भी गिर सकते हैं. स्पेस साइंटिस्ट्स का कहना है कि सिर्फ कचरे की मात्रा को कम करना अब विकल्प नहीं रह गया है, क्योंकि कचरा इतना ज्यादा है कि अब बचने का तरीका यही है कि धरती के नजदीक वायुमंडल में जितना कचरा है, उसे साफ किया जाए.

भंडारे वाली कद्दू की सब्जी

खाना-खजाना

क्या आपने कभी भंडारे में मिलने वाली कद्दू की सब्जी का स्वाद चखा है? वो खट्टा-मीठा जायका, हल्का मसालेदार स्वाद और देसी घी की खुशबू... बस एक बार खा लो, तो स्वाद जुबान से उतरता ही नहीं!

सामग्री :

- कद्दू – 500 ग्राम
- टमाटर – 2
- हरी मिर्च – 2
- अदरक – 1 इंच
- देसी घी या तेल – 2 टेबलस्पून
- हल्दी पाउडर – 1/2 टीस्पून
- धनिया पाउडर – 1 टीस्पून
- सौंफ पाउडर – 1/2 टीस्पून
- हींग – 1 चुटकी
- जीरा – 1 टीस्पून
- गरम मसाला – 1/2 टीस्पून
- चीनी या गुड़ – 1 टीस्पून
- नमक – स्वादानुसार
- कटी हुई हरी धनिया – 2 टेबलस्पून

बनाने की विधि :

सबसे पहले कद्दू को अच्छे से धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें. अगर कद्दू ज्यादा सख्त है, तो इसे हल्का छील लें.

कड़ाही में 2 टेबलस्पून देसी घी गरम करें. इसमें हींग और जीरा

डालें, जैसे ही जीरा चटकने लगे, इसमें अदरक और हरी मिर्च डाल दें. अब कटे हुए टमाटर डालें और 2-3 मिनट तक भूनें, जब तक वह नरम न हो जाए.

टमाटर के नरम होने के बाद, इसमें हल्दी, धनिया पाउडर, सौंफ पाउडर और नमक डालकर अच्छे से मिलाएं. अब कटे हुए कद्दू के टुकड़े डालें और अच्छे से मसालों के साथ मिला लें. ढककर 10-12 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें.

जब कद्दू नरम हो जाए, तो इसे हल्के हाथ से मैश कर लें. अब इसमें गुड़ या चीनी डालें और मिलाएं. इसके बाद, थोड़ा सा गरम मसाला डालें और 2 मिनट तक पकाएं.

गैस बंद करें और ऊपर से ताजा हरा धनिया डालकर गार्निश करें. आपकी भंडारे वाली स्वादिष्ट कद्दू की सब्जी-पूरी के साथ परोसने के लिए तैयार है.

कैंसर के खतरे को कम करना है, तो डाइट में शामिल करें 6 फ्रूट्स

आज के समय में बदलती लाइफस्टाइल और गलत खानपान से कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी आम हो गई है. ये एक ऐसी बीमारी है जो आसानी से ठीक नहीं हो पाती है. अगर एक बार ये बीमारी किसी को हो गई तो मरीज के साथ-साथ उसके परिवार वालों को भी कई तरह की परेशानियों से गुजरना पड़ता है. हालांकि हेल्दी डाइट ही आपको किसी भी रोग से लड़ने में सक्षम बनाते हैं.

एक कहावत है, 'इलाज से बचाव बेहतर विकल्प है'. ऐसे में अगर आप भी इस गंभीर बीमारी से बचना चाहते हैं तो आपको हेल्दी डाइट तो लेनी ही चाहिए. साथ ही कुछ ऐसे फलों को भी अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए जो कैंसर से लड़ने में सक्षम होते हों. आज हम आपको ऐसे फलों के बारे में बताने जा रहे हैं जो कैंसर के खतरे को कम करने में मददगार हैं. आइए जानते हैं विस्तार से-

■ सेब

सेब में फाइबर, विटामिन C और विभिन्न एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं. इसमें मौजूद फाइबर पचान तंत्र को ठीक करने का कार्य करता है. ये शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं. रोजाना सेब खाने से कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है.

■ जामुन

ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी, रास्पबेरी जैसे जामुन एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन C से भरपूर होते हैं. इनमें मौजूद एंथोसाइनिन्स जैसे फाइटोकेमिकल्स कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकते हैं.

■ अंगूर

अंगूर, खासकर लाल और काले अंगूर में रेस्वेराट्रोल नाम का एंटीऑक्सिडेंट पाया जाता है. यह सूजन को कम करने और कैंसर सेल्स की वृद्धि को रोकने में मदद करता है. अगर आप रोजाना अंगूर को अपनी डाइट में शामिल करते हैं तो ये हार्ट हेल्थ के लिए भी बेहद फायदेमंद है.

■ अनार खाएं

अनार कैंसर विरोधी फल है. यह एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है. कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचने के लिए डेली डाइट में अनार या इसका जूस भी पी सकते हैं. इससे कैंसर का खतरा कम होता है.

■ कीवी

कीवी में विटामिन C, K और फाइबर जैसे तत्व पाए जाते हैं. यह पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करता है, जिससे कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है.

■ संतरा

संतरे में विटामिन सी की अच्छी मात्रा होती है. आपके शरीर में विटामिन सी की कमी को संतरा पूरा कर सकता है. संतरे में मौजूद विटामिन सी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है. इससे कैंसर के खतरे को भी कम किया जा सकता है.

आज का राशिफल

मेष : भागदौड़ अधिक रहेगी. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. मेहनत अधिक होगी. लाभ में कमी रह सकती है. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा. आय बनी रहेगी. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें. बुरी खबर मिल सकती है.

वृषभ : मान-सम्मान मिलेगा. मेहनत का फल मिलेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे. शत्रु तथा ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधानी आवश्यक है. समय की अनुकूलता है. सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा.

मिथुन : पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी. उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी. फालतू खर्च होगा. स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है. आत्मसम्मान बना रहेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. भाइयों का सहयोग मिलेगा. कारोबार से लाभ होगा. नौकरी में कार्यभार रहेगा.

कर्क : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा. नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी. जल्दबाजी न करें. उत्साह रहेगा.

सिंह : दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है. फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा. हल्की मजाक करने से बचें. अपेक्षित काम में विलंब होगा. बेकार की बातों पर ध्यान न दें. अपने काम से काम रखें. लाभ के अवसर मिलेंगे. विवेक का प्रयोग करें. आय में वृद्धि होगी.

कन्या : यात्रा लाभदायक रहेगी. संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है. डूबी हुई रकम प्राप्त होगी. व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा. नौकरी में प्रशंसा मिलेगी. जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं. नए उपक्रम प्रारंभ करने संबंधी योजना बनेगी.

तुला : सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा. योजना फलीभूत होगी. कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है. कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से लाभ होगा. आय में वृद्धि होगी. मान-सम्मान मिलेगा.

वृश्चिक : चोट व रोग से कष्ट हो सकता है. बेचैनी रहेगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. पूजा-पाठ में मन लगेगा. सत्संग का लाभ मिलेगा. राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. परिवार तथा मित्रों का सहयोग मिलेगा. प्रसन्नता बनी रहेगी.

धनु : चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है. पुराना रोग उभर सकता है. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है. स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है. दौड़धूप रहेगी. नकारात्मकता हावी रहेगी. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें.

मकर : यात्रा लाभदायक रहेगी. राजकीय सहयोग मिलेगा. सरकारी कामों में सहूलियत होगी. जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. घर में सुख-शांति रहेंगे. कारोबारी अनुबंध हो सकते हैं. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पार्टनरों से सहयोग मिलेगा. झंझटों में न पड़ें.

कुंभ : ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं. भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. शारीरिक कष्ट संभव है. भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है. विवेक से कार्य करें.

मीन : पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा. आनंद के साथ समय व्यतीत होगा. मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा. नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी. किसी व्यक्ति से बहस हो सकती है. आशंका-कुशंका से बाधा होगी.

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

आयुर्वेद का खजाना है गोखरू

गुर्दे से पथरी को गलाए यौन समस्याओं का जड़ से करे इलाज

आयुर्वेद में कई अनमोल खजाने मौजूद हैं, जो सेहत पर कमाल का असर करते हैं. इनके इस्तेमाल से आप कई तरह के रोगों से बचे रह सकते हैं. आपके ही आसपास ऐसे कई पौधे मौजूद हैं जो कई तरह के रोगों में रामबाण इलाज की तरह काम करते हैं. ऐसा ही एक पौधा है गोखरू. यह एक आयुर्वेदिक औषधि है, जो वात, पित्त और कफ तीनों दोषों को संतुलित करने में सहायक है. जानिए गौखरू किस तरह से सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है.

गोखरू के फायदे

- इसका उपयोग सिरदर्द, पेशाब की समस्याएं, पाचन समस्याओं, त्वचा रोग, गठिया, पथरी और यौन समस्याओं के उपचार में किया जाता है. नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की जुलाई 2012 में प्रकाशित एक शोध के अनुसार, यह पौधा मुख्य रूप से वर्षा ऋतु में उगता है और इसके फल, पत्ते और तना औषधीय रूप में उपयोग किए जाते हैं.
- चरक संहिता में इसे मूत्र रोग और वात रोग के उपचार में लाभकारी बताया गया है. इसके फल छोटे, कांटेदार और अनेक बीजों वाले होते हैं.
- शोध में पाया गया है कि 10-20 मिली गोखरू का काढ़ा सुबह-शाम लेने से

सिरदर्द में लाभ होता है. इसके साथ ही यह दमा के रोग में भी काफी कारगर होता है. 2 ग्राम गोखरू चूर्ण को सूखे अंजीर के साथ लेने से दमा में राहत मिलती है.
- पाचन क्रिया सुधारने में भी गोखरू का अहम रोल है. बताया जाता है कि गोखरू का काढ़ा पीपल चूर्ण के साथ लेने से हाजमा मजबूत होता है. वहीं, गोखरू काढ़ा में मधु मिलाकर पीने से मूत्र संबंधी समस्याओं में आराम मिलता है.
- गोखरू दूध में उबालकर पीने से स्पर्म काउंट और गुणवत्ता में सुधार होता है. गोखरू पंचांग यानी इसके जड़, तने, पत्ती, फूल और फल से बना काढ़ा पीने से बार-बार होने वाले बुखार में राहत मिलती है.
- इतना ही नहीं, गोखरू जोड़ों के दर्द में काफी तेजी से काम करता है. गोखरू के फल के काढ़े का सेवन करने से जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है. शोध में बताया गया है कि यह पुराने से पुराने गठिया रोग को भी ठीक करता है.

टूथब्रश को सीधा धोकर रख देते हैं तो सावधान हो जाएं

इसमें होता है बीमारियों का घोंसला, सही तरीका जानना जरूरी

शायद ही कोई ऐसा होगा जो रोज ब्रश नहीं करता होगा. हां कुछ लोग परंपरागत तरीके से दातून करते हैं लेकिन उनकी संख्या नगण्य ही होगी. टूथब्रश में लोग प्लास्टिक से बने ब्रश का इस्तेमाल करते हैं. आमतौर पर हम ब्रश कर दातों को साफ करते हैं और उसे पानी से साफ कर होल्डर में रख देते हैं. फिर अगले दिन इसका दोबारा उसी तरह इस्तेमाल करते हैं. महीने-दो महीने के बाद जब ब्रश का प्लास्टिक ज्यादा फैलने लगता है तो हम इसे बदल देते हैं लेकिन तरीका यही होता है. पर एक्सपर्ट की मानें तो यह तरीका बेहद गलत है. अगर आप टूथब्रश को पानी में धोकर ब्रश को ऐसे ही रख देते हैं तो यह और भी खतरनाक है. क्योंकि इससे कई तरह की बीमारियों का खतर बढ़ जाता है.

क्यों पानी में धोकर ब्रश रखना है खतरनाक

द गार्जियन की एक रिपोर्ट के मुताबिक टूथब्रश लाखों बैक्टीरिया का बसेरा पहले से बना होता है. इसपर यदि आप इसे पानी से धोकर होल्डर में रख देते हैं तो इसमें बैक्टीरिया और फंगस के पनपने का खतरा और ज्यादा हो जाता है. इसका कारण यह है कि टूथब्रश में पानी डालने के बाद यह मॉइश्चर हो जाता है. माइस्चर होने से इसमें नमी आने लगती है. नमी आने के कारण वहां सूक्ष्मजीवों के पनपने का खतरा बढ़ जाता है. एक्सपर्ट का कहना है कि टूथब्रश को जिस होल्डर में रखते हैं उसमें पहले से असंख्य बैक्टीरिया और मॉल्ड घुसे रहते हैं. अगर इसमें नमी बढ़ती जाएगी तो इसकी संख्या में लगातार वृद्धि होती जाएगी. जब आप इस से ब्रश करेंगे तो यही बैक्टीरिया, फंगस, मॉल्ड आदि आपके मुंह में जाएंगे और फिर पेट में. अगर वहां यह टिक गया तो इसके बेहद खतरनाक परिणाम सामने आएंगे और कई बीमारियों का सामना करना पड़ेगा. इसलिए टूथब्रश को बीमारियों का घोंसला कहा जाता है.

इससे बचने के लिए क्या करें

हालांकि टूथब्रश हमेशा ही कई तरह के सक्ष्मजीवों का बसेरा होता है. इसलिए इसे सही तरीके से साफ करने की जरूरत है. जब आप रोजाना इसे पानी से साफ करें तो कोशिश करें कि इसे अच्छी तरह सुखा लें, फिर होल्डर में रखें लेकिन इससे भी काम नहीं चलेगा. सप्ताह में एक दिन इसे खास तौर से साफ करना होगा. इसके लिए आप डेंचर की टैबलेट खरीद लें. यह दवा दुकान में मिल जाएगी. इस टैबलेट में थोड़ा पानी मिला दें और इसमें ब्रश को डुबा दें. इससे टूथब्रश कुछ दिनों के लिए बैक्टीरिया फ्री हो जाएगा. ऐसा करने से कई बीमारियों से बच जाएंगे. इसके बाद टूथब्रश के होल्डर को भी सप्ताह में एक दिन जरूर साफ करें और साफ कर इसे सुखा लें फिर इसमें ब्रश को रखें.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

आंबेडकर और बुद्ध की मूर्तियां हटाने गई पुलिस से उलझे ग्रामीण, पांच गिरफ्तार

सीतापुर. यूपी के सीतापुर जिले एक गांव में सरकारी जमीन से डॉ. भीमराव आंबेडकर और भगवान बुद्ध की मूर्तियों को हटाने को लेकर ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों के बीच हुई हिंसक झड़प में आठ पुलिसकर्मी घायल हुए. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों के अनुसार, पिसावां थानाक्षेत्र के विभापुर गांव में हुई झड़प के सिलसिले में दो महिलाओं समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने बताया कि गांव के लोगों ने 11 मार्च को पंचायत भवन के सामने बने चबूतरे पर आंबेडकर और महात्मा बुद्ध की मूर्तियां स्थापित की थीं. पुलिस के मुताबिक, सरकारी जमीन पर स्थापित मूर्तियों की शिकायत मिलने के बाद तहसील प्रशासन ने 12 मार्च को उन्हें हटाने के लिए नोटिस दिया हालांकि, ग्रामीणों ने इस कदम का विरोध किया और मूर्तियां नहीं हटाईं.

बुआ ने 9 लाख में किया भतीजी का सौदा, 40 साल के अधेड से कराई शादी

अमरोहा. यूपी के अमरोहा से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. जहां एक शख्स ने अपनी सगी बहन पर गंभीर आरोप लगाए हैं. युवक का कहना है कि उसकी बहन ने 9 लाख रुपये के लालच में उसकी 12 साल की बेटी की शादी अधेड से करा दी. वहीं, दूसरी 10 साल की बेटी को भी बंधक बनाकर रखा है. उधर, शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई. शनिवार को समाधान दिवस के मौके पर सीओ दीप कुमार पंत समेत अन्य अफसर शिकायत सुन रहे थे. इस बीच एक किसान अपनी शिकायत लेकर वहां पहुंचा. उसने बताया कि वह बदायूं के थाना उघैती क्षेत्र के गांव का रहने वाला है. उसकी व पत्नी की तबियत खराब रहती है. रहरा थाना क्षेत्र के गांव में ब्याही सगी बहन दीपावली पर उसके घर पहुंची और उचित देखभाल के बहाने उसकी 10 व 12 वर्षीया बेटी को घर ले आई. बताया कि जब वह होली पर बहन के घर आया तो बेटियां सहमी हुई थीं. उन्होंने जो कुछ बताया उसे सुनकर वह सन्न रह गया. वह बेटियों को ले जाने लगा तो उसे धमका कर भगा दिया गया.

आम के बाग में फंदे से लटकती मिली प्रॉपर्टी डीलर की लाश, हत्या की आशंका

लखनऊ. यूपी की राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद में शनिवार शाम से लापता प्रॉपर्टी डीलर नंद किशोर की हत्या कर दी गई. उनका शव रविवार दोपहर पास के गांव में आम के बाग में पेड़ से फंदे पर लटका मिला. परिवारीजन ने रुपयों के विवाद में हत्या का आरोप लगाया है. पुलिस, फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए. पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है. एडीसीपी पश्चिम धनंजय कुमार ने बताया कि नंद किशोर ग्राम बड़ी गढ़ी के रहने वाले थे. शनिवार से वह लापता थे. देर शाम तक घर न लौटने पर परेशान परिवारीजन उन्हें तलाश कर रहे थे. जब कहीं उनका पता नहीं चला तो थक-हारकर उन्होंने मलिहाबाद थाने में प्रॉपर्टी डीलर की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. पुलिस सर्विलांस की मदद से नंद किशोर की खोजबीन कर रही थी. इस बीच रविवार सुबह पास के गांव में उनका शव आम के बाग में फंदे से लटका होने की सूचना मिली. मौके पर पुलिस टीम ने पहुंचकर फंदे से शव को उतारा.

मोदी बोले- तमिलनाडु के नेता तमिल में सिग्नेचर नहीं करते

- राज्य सरकार डॉक्टरी की पढ़ाई तमिल में कराए
- भाषा विवाद के बीच PM की मांग

रामेश्वरम. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केंद्र सरकार के बीच नई शिक्षा नीति और ट्रायलैंग्वेज को लेकर विवाद चल रहा है. इस बीच प्रधानमंत्री मोदी रविवार को रामेश्वरम पहुंचे. इस दौरान CM स्टालिन उन्हें रिसीव करने नहीं पहुंचे.

PM मोदी ने रामेश्वरम में एशिया के पहले वर्टिकल लिफ्ट रेलवे ब्रिज और और अन्य योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया. जनसभा के दौरान उन्होंने भाषा विवाद का जिक्र किए बिना DMK नेताओं और CM एमके स्टालिन को नसीहत दे दी. PM ने कहा- मैं राज्य सरकार से मांग करता हूं कि वे डॉक्टरी की पढ़ाई तमिल भाषा में कराएं.

प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के कई नेताओं की चिट्ठियां मेरे पास आती हैं. आश्चर्य की बात है कि कोई नेता तमिल में सिग्नेचर नहीं करता. तमिल का गौरव बने, इसलिए इन लोगों को स्थानीय भाषा में सिग्नेचर करना चाहिए.

DMK सरकार हिंदी को लागू नहीं करना चाहती

तमिलनाडु सरकार पिछले दो महीने से नई शिक्षा नीति के तहत राज्य में ट्राय लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने का विरोध कर रही है. पॉलिसी के तहत तमिल, अंग्रेजी के अलावा हिंदी को भी शिक्षा के माध्यम में शामिल करने का प्रस्ताव है. DMK चीफ और CM स्टालिन इसका विरोध कर रहे हैं.

PM ने किया रामेश्वरम में नए पम्बन ब्रिज का उद्घाटन

- यह एशिया का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे ब्रिज
- 5 मिनट में 22 मीटर ऊपर उठेगा

रामेश्वरम. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एशिया के पहले वर्टिकल लिफ्ट स्पैन रेलवे ब्रिज (नए पम्बन ब्रिज) का उद्घाटन किया. 2.08 किमी लंबे ब्रिज की नींव नवंबर 2019 में मोदी ने ही रखी थी. भाषा विवाद के कारण तमिलनाडु के CM एमके स्टालिन कार्यक्रम में नहीं आए.

ब्रिज रामेश्वरम (पम्बन द्वीप) को भारत की मुख्य भूमि तमिलनाडु के मंडपम से जोड़ता है. प्रधानमंत्री मोदी ने ही नवंबर 2019 में इसकी नींव रखी थी. भविष्य को ध्यान में रखते हुए इसे डबल ट्रैक और हाई-स्पीड ट्रेनों के लिए डिजाइन किया गया है. स्टील से बने नए ब्रिज पर पॉलीसिलोक्सेन कोटिंग की गई है, जो इसे जंग और समुद्र के नमकीन पानी से बचाएगी. पुराना पुल 2022 में जंग लगने की वजह से बंद कर दिया गया था. इसके बाद से रामेश्वरम और मंडपम के बीच रेल कनेक्टिविटी खत्म हो गई थी.

रामायण के अनुसार, रामसेतु का निर्माण रामेश्वरम के पास धनुषकोडी से शुरू हुआ था. इस वजह से ये आस्था के नजरिए से भी महत्वपूर्ण है. इसके अलावा प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में 8300 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत के विभिन्न रेल और सड़क प्रोजेक्ट का शिलान्यास और उद्घाटन किया.

5 मिनट में ऊपर उठ जाता है ब्रिज

- नया पम्बन ब्रिज 100 स्पैन यानी हिस्सों से मिलकर बनाया गया है. जब समुद्री जहाज को निकलना होता है तो इस नेविगेशन ब्रिज (समुद्री जहाजों के लिए खुलने वाले ब्रिज) का सेंटर स्पैन (बीच वाला हिस्सा) ऊपर उठ जाता है.
- यह इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सिस्टम पर काम करता है. इस वजह से इसका सेंटर स्पैन सिर्फ 5 मिनट में 22 मीटर तक ऊपर उठ सकता है. इसके लिए सिर्फ एक आदमी की जरूरत होगी. वहीं, पुराना पुल कैंटिलीवर पुल था. इसे लीवर के जरिए मैन्युअली खोला जाता था, जिसमें 14 लोगों की जरूरत होती थी.
- हालांकि समुद्री हवा की गति 58 किमी प्रति घंटे या उससे ज्यादा हो जाने पर वर्टिकल सिस्टम काम नहीं करेगा और ऑटोमैटिक रेड सिग्नल हो जाएगा. हवा की गति सामान्य होने तक ट्रेन की आवाजाही बंद रहेगी. ऐसा अक्सर अक्टूबर से फरवरी के बीच होता है. इन महीनों में तेज हवाएं चलती हैं.

रामनवमी पर हुआ रामलला का सूर्य तिलक

- अभिजीत मुहूर्त में ललाट पर 4 मिनट पड़ीं किरणें
- अयोध्या में 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालु मौजूद

अयोध्या. रामनवमी पर अयोध्या में रामलला का जन्मोत्सव मनाया गया. जन्म के बाद उनका अभिषेक किया गया. रविवार दोपहर करीब 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य अभिषेक हुआ. करीब 4 मिनट रामलला के मस्तक पर सूर्य किरणें पड़ीं.

सूर्य तिलक के बाद रामलला की आरती की गई. सूर्य तिलक से पहले कुछ देर के लिए रामलला के पट बंद कर दिए गए और गर्भगृह की लाइट बंद कर दी गई.

रामलला के सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के पाइप से सिस्टम बनाया गया है. इसमें 4 लेंस और 4 मिरर के जरिए गर्भगृह तक रामलला के मस्तक पर किरणें पहुंचाई गईं.

अयोध्या में इस समय करीब 5 लाख श्रद्धालु हैं. राम जन्मभूमि परिसर में लंबी लाइनें लगी हैं. राम मंदिर के बाहर एक किमी लंबी लाइन लगी है. इससे पहले, सुबह 9.30 बजे रामलला को पंचामृत से स्नान कराकर श्रृंगार किया गया.

रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर हाउसफुल जैसे हालात हैं. गर्मी को देखते हुए राम पथ, भक्ति पथ, धर्म पथ और राम जन्मभूमि पथ पर श्रद्धालुओं के लिए रेड कारपेट बिछाई गई है. ड्रोन से श्रद्धालुओं पर सरयू जल छिड़का गया. जगह-जगह शेड बनवाए गए हैं.

सरयू घाटों पर 2 लाख दीप जलाएंगे

पहली बार तैयारी है कि रामनवमी पर दीपोत्सव भी मनाया जाएगा. सरयू के घाटों पर 2 लाख दीप जलाए जाएंगे. सुरक्षा को देखते हुए मंदिर परिसर की सुरक्षा के लिए AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है. 1000 से ज्यादा CCTV से मॉनिटरिंग हो रही है. ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है.

पश्चिम बंगाल में बीजेपी का 'शक्ति प्रदर्शन'

- भगवा हो गईं सड़कें;
- ड्रोन से निगरानी

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में रविवार सुबह ही रामनवमी का पर्व शोभायात्राओं और 'जय श्री राम' के नारों के साथ शुरू हो गया. इस दौरान लाखों श्रद्धालु सड़कों पर उमड़ पड़े. रामनवमी पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है. सुबह से ही सड़कों पर उत्सव का माहौल दिखाई दिया. भगवा रंग के झंडे, भक्ति संगीत और रामायण के दृश्यों को दिखाने वाली झांकियां निकाली जा रही हैं.

कोलकाता में ही 60 रैलियां

अकेले कोलकाता में 60 से ज्यादा शोभायात्राएं आयोजित करने का कार्यक्रम है, जिसके लिए लगभग 4,000 से 5,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है. उप आयुक्त और संयुक्त आयुक्त रैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को शोभायात्राओं के रास्तों पर सुरक्षा की निगरानी का काम सौंपा गया है.

बीजेपी की राज्य इकाई के प्रमुख सुकांत मजूमदार ने कहा, ₹रामनवमी पर आयोजित अनेक कार्यक्रमों में लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है. मैं राज्य सरकार से आग्रह करूंगा कि वह व्यवस्था करे ताकि शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाया जा सके. समारोह को जबरन रोकने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. रामनवमी का जश्न मनाया जाएगा, चाहे आप कुछ भी करें.₹

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को रामनवमी के अवसर पर पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में राम मंदिर की आधारशिला रखी.

राम मंदिर की आधारशिला सोनाचूरा गांव में रखी गई, जहां छह जनवरी 2007 को स्थानीय प्रशासन के भूमि अधिग्रहण का विरोध कर रहे कम से कम सात लोगों की उपद्रवियों द्वारा की गई गोलीबारी में मौत हो गई थी. समर्थकों और भक्तों के 'जय श्री राम' के उद्घोष के बीच अधिकारी ने मंदिर की नींव रखी.

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और हिंदू जागरण मंच सहित भाजपा से संबद्ध हिंदूवादी संगठन भी पश्चिम बंगाल में शोभायात्राएं आयोजित कर रहे हैं. इस बीच राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा पर इस अवसर को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश करने का आरोप लगाया है. तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, 'भाजपा रामनवमी को एक राजनीतिक आयोजन में बदलने की कोशिश कर रही है. वे विकास की राजनीति में नहीं हैं, बल्कि धर्म के नाम पर राजनीति करना चाहते हैं और अशांति पैदा करना चाहते हैं. बंगाल इसे बर्दाश्त नहीं करेगा.'

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद वक्फ बिल बना कानून

नई दिल्ली. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ (संशोधन) बिल को शनिवार देर शाम मंजूरी दे दी. सरकार ने नए कानून को लेकर गजट नोटिफिकेशन जारी किया. अब नए कानून को लागू करने की तारीख को लेकर केंद्र सरकार अलग से एक नोटिफिकेशन जारी करेगी. यह बिल (अब कानून) पर 2 अप्रैल को लोकसभा और 3 अप्रैल को राज्यसभा में 12-12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था.

नए कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अबतक चार याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं. नई याचिका केरल के सुन्नी मुस्लिम संगठन केरल जमीयतुल उलेमा ने दायर की है. इससे पहले कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, AIMIM सांसद असदुद्दीन ओवैसी और AAP विधायक अमानतुल्लाह खान अलग-अलग याचिका लगा चुके हैं.

इस पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों में हो रहे पक्षपात, दुरुपयोग और अतिक्रमण को रोकना है. इस बिल (अब कानून) को राज्यसभा में 128 सदस्यों ने समर्थन दिया था, जबकि 95 ने इसका विरोध किया.वहीं लोकसभा में देर रात 2 अप्रैल को पारित हुआ था. इस दौरान 288 सांसदों ने समर्थन में और 232 ने विरोध में वोट डाला था.

भाजपा का 46वां स्थापना दिवस

- नड्डा बोले- भाजपा जो कहती है वो करती है, कामयाबी के साथ अतीत को भी याद रखना होगा

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी आज अपना 46वां स्थापना दिवस बना रही है. इस मौके पर पार्टी अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में भाजपा का झंडा फहराया. इसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया.

उन्होंने कहा- सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को कामयाबी के साथ-साथ अपने अतीत को भी याद रखना होगा. हमें अपने पुराने कार्यकर्ताओं से संवाद जारी रखना है, उनसे मिलना है, उन्हें समझना है. उन सभी के संघर्ष से आज पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है.

नड्डा ने आगे कहा- हमने राममंदिर बनाने का वादा किया तो पूरा किया. धारा 370 खत्म करने का वादा किया तो पूरा किया. भाजपा जो कहती है वो करती है. यही वजह है कि हमारी राज्यों में सरकारें लगातार रिपीट हो रही है. उत्तराखंड, हरियाणा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र में बार-बार जनता का विश्वास हम पर बना हुआ है. इस बार दिल्ली में भी हमारी 2.5 दशक बाद सरकार आई है.

दरअसल, भाजपा के 46 वें स्थापना दिवस पर भाजपा के सभी राज्य मुख्यालयों और जिला मुख्यालयों में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. भाजपा के नेता जगह-जगह पार्टी का झंडा फहरा रहे हैं. साथ ही कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन भी किया जा रहा है.

धोनी बोले- अभी नहीं ले रहा रिटायरमेंट

CSK के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अभी रिटायरमेंट नहीं ले रहे हैं. धोनी ने एक पॉडकास्ट में IPL से संन्यास के सवाल पर कहा- 'नहीं, अभी नहीं, मैं अभी भी IPL में खेल रहा हूं.'

रविवार को इंदौर के यूट्यूबर राज शमानी ने पॉडकास्ट अपलोड किया, जिसमें धोनी ने अपने संन्यास पर कहा- 'मैं खुद को एक साल का समय देता हूं. अभी मैं 43 साल का हूं और IPL-2025 के खत्म होने तक 44 साल का हो जाऊंगा. इसके बाद मेरे पास 10 महीने का समय होगा. यह जानने के लिए कि मैं आगे खेल सकता हूं या नहीं, लेकिन इसका फैसला मैं नहीं करता, बल्कि मेरा शरीर करता है.'

एक दिन पहले शनिवार 5 अप्रैल को अटकलें लगाई जा रही थीं कि धोनी संन्यास ले सकते हैं, हालांकि दिल्ली से मैच के बाद CSK के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने अटकलों को खारिज किया था.

धोनी के माता-पिता उनका मैच देखने चेपॉक स्टेडियम मैच देखने पहुंचे थे. आमतौर पर साक्षी और जीवा ही स्टेडियम में नजर आते हैं, माही के पेरेंट्स स्टेडियम में स्पॉट नहीं होते. दोनों 20 साल में पहली बार धोनी का मैच देखने स्टेडियम पहुंचे, इसलिए उनके संन्यास की अटकलें भी तेज हो गई थीं.

धोनी ने 2004 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था. 2007 में कप्तान बनकर उन्होंने भारत को टी-20 वर्ल्ड कप जिताया. 2011 में उन्होंने भारत को वनडे वर्ल्ड कप भी जिताया. मगर इस दौरान भी उनके पिता पान सिंह और मां देवकी देवी कभी भी उन्हें देखने के लिए दुनिया के किसी भी स्टेडियम में नहीं पहुंचे. धोनी के माता-पिता का अचानक इस तरह आना, ये अटकलें लगाने के लिए काफी है कि शायद ये धोनी का आखिरी मैच हो.

कर्नाटक हाईकोर्ट बोला- देश में UCC लागू होना जरूरी

- संविधान निर्माता भी इसके हक में थे
- राज्य और केंद्र से की कानून बनाने की अपील

बेंगलूरु. कर्नाटक हाईकोर्ट ने शनिवार को कहा कि देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) लागू होना बहुत जरूरी है. इससे सभी नागरिकों को (खासकर महिलाओं को) बराबरी का हक मिलेगा. कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की है कि वे मिलकर ऐसा कानून बनाएं.

यह टिप्पणी जस्टिस हंचाटे संजीव कुमार की सिंगल जज बेंच ने एक पारिवारिक संपत्ति विवाद के मामले में की. यह मामला मुस्लिम महिला शहनाज बेगम की मौत के बाद उनकी संपत्ति के बंटवारे को लेकर था, जिसमें उनके भाई-बहन और पति के बीच विवाद हुआ.

कोर्ट ने इस मामले के बहाने मुस्लिम पर्सनल लॉ पर सवाल उठाए और कहा कि ये कानून महिलाओं के साथ भेदभाव करता हैं.

मुस्लिम और हिंदू पर्सनल लॉ में अंतर पर जताई चिंता

कोर्ट ने कहा कि हिंदू कानून में बेटियों को पैतृक संपत्ति में बराबरी का अधिकार है, जबकि मुस्लिम कानून में भाई को मुख्य हिस्सेदार और बहन को कम हिस्सेदार माना जाता है, जिससे बहनों को कम हिस्सा मिलता है. कोर्ट ने कहा कि ये असमानता संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) के खिलाफ है.

गोवा और उत्तराखंड का उदाहरण

कोर्ट ने बताया कि गोवा और उत्तराखंड जैसे राज्य पहले ही UCC की ओर कदम बढ़ा चुके हैं. इस वजह से अब केंद्र और बाकी राज्यों को भी इस दिशा में काम करना चाहिए. कोर्ट ने अपने फैसले की कॉपी केंद्र और कर्नाटक सरकार के कानून सचिवों को भेजने के निर्देश दिए हैं.

अनंत अंबानी ने 170 किमी की पदयात्रा पूरी की

- भगवान द्वारकाधीश का आभार व्यक्त किया
- पत्नी राधिका मर्चेंट और मां नीता अंबानी भी पहुंची

द्वारका. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) के चेयरपर्सन मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी ने रविवार को अपनी 170 किमी की पदयात्रा पूरी की. अनंत तड़के श्री द्वारकाधीश मंदिर पहुंचे.

अपनी यात्रा के समापन पर अनंत अंबानी ने भगवान द्वारकाधीश के प्रति आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा, ' यह मेरी अपनी आध्यात्मिक यात्रा है. मैंने इसे भगवान का नाम लेकर शुरू किया था और उनका नाम लेकर ही इसे समाप्त करूंगा. मैं भगवान द्वारकाधीश को धन्यवाद देना चाहता हूं.' 10 अप्रैल को अनंत अंबानी का जन्मदिन है. अनंत अपना 30वां जन्मदिन द्वारका में ही मनाएंगे. अनंत ने अपनी यात्रा 28 मार्च को जामनगर के मोती खावड़ी से शुरू की थी. लोगों को ट्रैफिक और सिक्योरिटी के चलते मुश्किल से बचाने के लिए अनंत ज्यादातर रात में यात्रा करते थे. पदयात्रा के अंतिम दिन अनंत अंबानी के साथ उनकी पत्नी राधिका मर्चेंट और मां नीता अंबानी भी शामिल हुईं.

नीता अंबानी - एक मां के लिए यह बहुत गर्व की बात

नीता अंबानी ने अपने बेटे की इस आध्यात्मिक यात्रा पर कहा, 'एक मां के लिए यह बहुत गर्व की बात है. मेरा बेटा अनंत द्वारकाधीश के इस पवित्र स्थान तक अपनी पदयात्रा पूरी करने में सफल रहा.'
अनंत ने अपनी यात्रा कई स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद पूरी की. उन्हें कशिंग सिंड्रोम मोटापा, अस्थमा और सांस लेने में कठिनाई जैसी तकलीफ है. यात्रा के दौरान उन्होंने हनुमान चालीसा, सुंदरकांड और देवी स्तोत्र का भी जाप किया था.

3 वांटेड अपराधियों को UAE से भारत लाई CBI

- इंटरपोल ने जारी की थी रेड नोटिस
- नाबालिग से बलात्कार का आरोपी

नई दिल्ली. इंटरपोल के रेड नोटिस का सामना कर रहे 3 भगोड़े अपराधियों को संयुक्त अरब अमीरात (UAE) से भारत लाया गया है. सीबीआई के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. ये भगोड़े अपराधी केरल, राजस्थान और गुजरात पुलिस की ओर से अलग-अलग मामलों में वांटेड हैं. सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि राजस्थान पुलिस की ओर से आदित्य जैन कई आपराधिक मामलों में वांछित है. उसे शुक्रवार को राज्य पुलिस की एक टीम की सुरक्षा में संयुक्त अरब अमीरात से वापस लाया गया. आदित्य जैन फिरौती के लिए एक कारोबारी को धमकी भरे फोन कॉल करने के मामले में वांटेड था.

अधिकारी ने बताया, 'ऐसा आरोप है कि आदित्य जैन ने इंटरनेट एप्लीकेशन के माध्यम से वीओआईपी (वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल) कॉल की और मांगे गए पैसे का भुगतान न करने की स्थिति में लक्षित व्यक्ति पर गोली चला दी.' राज्य पुलिस के अनुरोध पर 18 फरवरी को उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस जारी किया गया था. वह संयुक्त अरब अमीरात में था. सीबीआई के प्रवक्ता ने कहा, 'CBI की अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग इकाई ने एनसीबी-अबू धाबी और राजस्थान पुलिस के सहयोग से 4 अप्रैल, 2025 को वांछित रेड नोटिस विषय आदित्य जैन को सफलतापूर्वक भारत वापस लाया. राजस्थान पुलिस की एस्कॉर्ट टीम यूएई से भगोड़े अपराधी को लेकर लौटी, टीम भगोड़े को लेकर जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंची.'

संक्षेप...

परियोजना पीड़ितों को अब मिलेंगे 25 से 40 लाख रुपए

मुंबई. मुंबई में परियोजना पीड़ितों को अब मकान के बजाय नकद मुआवजा मिलेगा. यह मुआवजा न्यूनतम 25 लाख रुपये से अधिकतम 40 लाख रुपये के बीच होगा. मुंबई क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण ने अपनी 159वीं बैठक में इस संबंध में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया. बैठक की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री और प्राधिकरण के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे ने की.

प्रधानमंत्री मोदी और दूसरे दिग्गज नेताओं की वजह से सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी भाजपा : फडणवीस

नागपुर. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाने का श्रेय रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा अटल बिहारी वाजपेयी जैसे दिग्गज नेताओं के प्रयासों को दिया.

भाजपा की स्थापना 1980 में हुई थी. भाजपा के गठन के बाद 1984 में हुए पहले लोकसभा चुनाव में पार्टी ने केवल दो सीट जीती थीं. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा नागपुर में भाजपा के नए कार्यालय की आधारशिला रखे जाने के बाद फडणवीस ने कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे 'हमारे अपने घर का शिलान्यास हो रहा है.''

इस दौरान भावुक भाषण में फडणवीस ने कहा, 'श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी के प्रयासों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है.' उन्होंने बीजेपी के नए कार्यालय के लिए पांच लाख रुपये का योगदान दिया और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देने का अनुरोध किया है.

बता दें कि बीजेपी का उदय भारतीय जनसंघ से जुड़ा है, जो 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा स्थापित किया गया था. जनसंघ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) से प्रेरित था और हिंदू राष्ट्रवाद व सांस्कृतिक एकता के विचारों को बढ़ावा देता था. यह पार्टी मुख्य रूप से कांग्रेस के विकल्प के रूप में उभरी और 1977 में आपातकाल के बाद जनता पार्टी के गठन में शामिल हुई. हालांकि, जनता पार्टी का प्रयोग असफल रहा और 1980 में मतभेदों के कारण जनसंघ के नेताओं ने नई पार्टी यानी भारतीय जनता पार्टी (BJP) की स्थापना की.

अश्विनी बिद्रे हत्याकांड

इंस्पेक्टर कुरुंदकर दोषी करार

पनवेल. पुलिस ऑफिसर अश्विनी बिद्रे हत्याकांड मामले में पनवेल सेशन कोर्ट की ओर से 9 साल बाद सजा सुनाई गई है. अदालत ने शनिवार 5 अप्रैल 2025 को अश्विनी के कलीग और मुख्य आरोपी इंस्पेक्टर अभय कुरुंदकर को भारतीय दंड संहिता के सेक्शन 302 के तहत हत्याकांड का दोषी करार दिया है. साथ ही हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने में उसकी मदद करने वाले अन्य 2 लोगों को भी दोषी ठहराया गया है.

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. सरकार की पीएम इंटर्नशिप योजना के जरिए देश की शीर्ष 500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे. भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर ने भिवंडी निजामपुर शहर के अधिक से अधिक युवाओं से इस योजना का लाभ उठाकर रोजगार की ओर कदम बढ़ाने की अपील की है.

क्या है पीएम इंटर्नशिप योजना?

- इस योजना के लिए लाभार्थियों की आयु 21 से 24 वर्ष के बीच होनी चाहिए. लाभार्थी के पास 10वीं, 12वीं, आईटीआई, स्नातक आदि शैक्षणिक योग्यता होनी चाहिए.
- इंटर्नशिप की अवधि 12 महीने होगी.
- इंटर्नशिप अवधि के दौरान रु. मानदेय के रूप में 5,000/- रुपये तथा एकमुश्त 5,000/- रुपये का लाभ देय होगा. 6,000/- तक का बोनस एवं बीमा सुविधा उपलब्ध रहेगी. उक्त धनराशि शासन स्तर से उपलब्ध कराई जाएगी.
- लाभार्थी युवा स्वयं https://pminternship.एमसीए.वेबसाइट gov.in/login/ पर जाएं और अपनी तारीख दर्ज करें. पंजीकरण 15 अप्रैल 2025 से पहले किया जाना चाहिए.
- आपको पंजीकरण कराना होगा तथा आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे.

इसके लिए आवश्यक जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है. अथवा अपने महानगरपालिका कार्यालय में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन भिवंडी निजामपुर सिटी नगर निगम, नई प्रशासनिक बिल्डिंग 6वीं मंजिल, 605, जकातनाका, भिवंडी (एनयूएलएम) कक्ष से संपर्क करें.

प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर ने आगे बताया कि बेरोजगार युवा, स्वयं सहायता समूह के लाभार्थी, कचरा संग्रहकर्ता, गिग वर्कर (वेबसाइट आधारित सेवा प्रदाता), निर्माण श्रमिक और मजदूर भी इस योजना के तहत पंजीकरण करा सकते हैं, ऐसी जानकारी सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी ने दी है.

भिवंडी के पावरलूम मजदूर का जिद्दी बेटा बना जज

चारों तरफ हो रही है प्रशंसा व स्वागत

भिवंडी. मेहनत और एकाग्रता से सब कुछ हासिल किये जाने की कहावत को भिवंडी के एक पावरलूम मजदूर के बेटे वसंत अडागले ने साबित कर दिखाते हुए जज की परीक्षा में कामयाबी हासिल कर जज होने का गौरव हासिल किया है.उनकी कामयाबी की चर्चा पूरे शहर में फैली है.

गौरतलब हो कि,मराठवाड़ा निवासी वसंत अडागले मराठवाड़ा में गन्ना काटने वाले मजदूर के रूप में काम करने वाले 1998 में रोजगार के लिए भिवंडी की एक झुग्गी बस्ती, साठे नगर में रहने आए थे. भिवंडी के पावरलूम उद्योग में आसानी से रोजगार मिल सकता था. यहां काम करते हुए उसकी पत्नी आशा और तीन बच्चे गांव में रहकर पढ़ाई कर रहे थे.बीड जिले के किल्ले धारूर तालुका के असरडोह गांव में जिला परिषद स्कूल में पढ़ाई करने वाले रमेश ने 12 वीं कक्षा तक अंबेजोगाई में पढ़ाई की और भिवंडी में आ गए.उन्होंने ठाणे से डी.एड परीक्षा उत्तीर्ण की और शिक्षक बनने की कोशिश की. सफलता न मिलने के कारण उन्होंने कभी किसी प्राइवेट कंपनी में मजदूर का काम किया तो कभी किसी गोदाम में, तो कभी साप्ताहिक अखबार को ऑफिस में छोड़ने का काम किया. पैतृक गाँव से उन्होंने डिग्री की परीक्षा उत्तीर्ण कर भिवंडी लौट आए. उनकी माता बच्चों की शिक्षा में आगे बढ़ने में योगदान दे रही थी. रमेश ठाणे टीएमसी लॉ कॉलेज से स्नातक करने के बाद, भिवंडी कोर्ट में कानूनी पेशा शुरू किया.आयोग की ओर से वर्ष 2022 में जजों के 114 पदों को भरने के लिए विज्ञापन दिया गया था. जज पद के लिए करीब 10 हजार लोगों ने परीक्षा दी थी, इनमें से 1 हजार 200 ने परीक्षा के लिए क्वालिफाई किया. 341 लोगों को इंटरव्यू के लिए चुना गया.चयन सूची में 41वें नंबर पर रमेश अडागले का चयन हुआ है.रमेश अडागले को जज चुने जाने के बाद कई लोग बधाई दे रहे हैं.

अ.भा. अंतरविश्वविद्यालय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए

SST कॉलेज की राधा पांडे और गोल्डी पांडे का चयन

उल्हासनगर. एस.एस.टी. कॉलेज की खिलाड़ी राधा पांडे और गोल्डी पांडे का अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए मुंबई विश्वविद्यालय की टीम में चयन हुआ है. यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता तमिलनाडु के अलगप्पा विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाली है.

इन दोनों खिलाड़ियों का चयन उनकी उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है. उनके इस उपलब्धि पर कॉलेज के प्राचार्य, खेल विभाग और पूरे कॉलेज परिवार ने उन्हें बधाई दी है. उनका चयन न केवल कॉलेज बल्कि पूरे शहर के लिए गर्व की बात है.

इस प्रतियोगिता में देशभर के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों की टीमें भाग ले रही हैं. ऐसी उम्मीद की जा रही है कि राधा पांडे और गोल्डी पांडे अपने शानदार प्रदर्शन से कॉलेज के खेल क्षेत्र में नया इतिहास रचेंगी.

दिवा व मुंब्रा में 82 अवैध नल कनेक्शन खंडित किया गया

ठाणे. दिवा मुंब्रा प्रभाग समिति के अंतर्गत मनपा के चौथे दिन अभियान में 82 अवैध नल कनेक्शन खंडित कर 2 मामला दर्ज किया गया. ठाणे नगर निगम ने अपने अभियान के चौथे दिन दिवा और मुंब्रा क्षेत्रों में 82 अनधिकृत जल कनेक्शन काट दिए.

कल्याण फाटा से वाई जंक्शन तक 3 व्यावसायिक और 21 घरेलू अवैध नल जल कनेक्शन काट दिए गए. इसके अलावा, 5 मोटर और पंप जब्त कर लिए गए तथा एक अनधिकृत टैंकर फिलिंग स्टेशन को बंद कर दिया गया. इसी समय वाई जंक्शन से मुंब्रा तक 35 आवासीय अवैध नल कनेक्शन काट दिए गए. उपनगर अभियंता ने बताया कि दिवा चौक और महोत्सव मैदान के पास 23 आवासीय अवैध नल कनेक्शन काट दिया गया.आयुक्त सौरभ राव

ने अनाधिकृत पाइप कनेक्शनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं. यह कार्रवाई मुंब्रा-दिवा प्रभाग समिति के अतिक्रमण विभाग और जल आपूर्ति विभाग द्वारा संयुक्त रूप से पिछले चार दिनों से अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे और मनपा अभियंता प्रशांत सोनगरा के मार्गदर्शन में की गई.

नवरात्रि पर्व पर नारी शक्ति का जागरण

ठाणे. आदिशक्ति के नवरात्रि पर्व पर नारी शक्ति का जागरण मनाया गया. कोपरी में चैत्र नवरात्रि महोत्सव को पारंपरिक मंगलागौर के साथ रास गरबा कार्यक्रम भक्तिमय हर्षोल्लास मनाया गया.भीषण गर्मी में संगीत की धुन पर नाचतीं सैकड़ों गरबा प्रेमी महिलाओं का उत्साह देखते ही बनता था.इस अवसर पर राज्य के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री आशीष शेलार ने नवरात्रि महोत्सव में शामिल होकर अम्बे माता के दर्शन किए.इस अवसर पर सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे, शिवसेना सचिव संजय मोरे, भाजपा जिला अध्यक्ष संजय वाघुले, पूर्व महापौर मीनाक्षी शिंदे, प्रकाश कोटवानी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व नेता उपस्थित थे.मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पहल पर धर्मवीर आनंद दिघे प्रतिष्ठान की ओर से ठाणे के पूर्व कोपरी में संत तुकाराम महाराज मैदान में श्री अंबे माँ चैत्र नवरात्रि उत्सव के दौरान सहस्त्र चंडी हवनात्मक नवकुंडीय महायज्ञ चल रहा है.इस महायज्ञ के सातवें दिन उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पत्नी लता एकनाथ शिंदे ने आरती की. मातृशक्ति ने नवरात्रि के दौरान रास-गरबा नृत्य की परंपरा को भी संरक्षित रखा. रात्र मंडप में पांच घंटे तक चले 'रास गरबा' में विभिन्न हिंदी और मराठी गीतों और गुजराती गीतों और संगीत के साथ साध गरबा, पोपट गरबा, चकरी गरबा, तीन ताली गरबा जैसे विभिन्न गरबा नृत्यों में महिलाओं की एकता का प्रदर्शन किया गया.

आम सूचना

हम श्रीमती निलिमा प्रदीप हाती व श्री संजय प्रदीप हाती सभी को सूचित कर रहे हैं कि 1+1, टीजी, रूम नं. एम/6, श्रीकृष्णा कालोनी, ब्राह्मणपाडा, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 50डीआय010878200) उक्त प्रॉपर्टी श्री श्यामसुंदर जनार्दन अभयंकार के नाम पर है. उनसे सेल एग्रीमेंट 24.3.2025 द्वारा हमने खरीदी है. जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं. अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं. अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है.

सही/-
श्रीमती निलिमा प्रदीप हाती
व श्री संजय प्रदीप हाती

आम सूचना

मैं श्रीमती रिया हरीश राजवानी सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 201, दूसरा माला, अंखलेश्वर पैलेस, गांधी रोड, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 52डीआय011302300) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती जया नरेशलाल छुगरिया के नाम पर है. उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 30.8.2016 द्वारा खरीदी है. जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं. अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं. अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है.

सही/-
श्रीमती रिया हरीश राजवानी

आम सूचना

मैं श्री सुदामा दौलतराम साधवानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि पोर्शन, रुम नं. 13, बैरक नं. 1934, गैस गोडाऊन के पास, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 57डीआय018615100) उक्त प्रॉपर्टी श्री ओम विजयकुमार आहुजा के नाम पर है. उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 31.3.2025 द्वारा खरीदी है. जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं. अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं. अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है.

सही/-
श्री सुदामा दौलतराम साधवानी

आम सूचना

मैं श्री माइकल जॉन कार्वाल्हो सभी को सूचित कर रहा हूं कि बैरक नं. 1292, रुम नं. 6, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 43सीओ009768400) उक्त प्रॉपर्टी कैथरिन धर्मारतनम, लुसी जॉन मकानजी, क्लीनिओ जॉन कार्वाल्हो के नाम पर है. उनसे रिलीज एग्रीमेंट दि. 2.4.2025 द्वारा प्राप्त की है. जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं. अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं. अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है.

सही/-
श्री माइकल जॉन कार्वाल्हो

आम सूचना

मैं श्री अमित अशोक चौधरी सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 17, ग्राऊंड फ्लोर, ट्वीन कॉम्पलेक्स, मेन रोड, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 43सीआय00914700) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती मालती अशोक चौधरी व मिस गायत्री अशोक चौधरी के नाम पर है. उनसे रिलीज एग्रीमेंट दि. 5.4.2025 द्वारा प्राप्त की है. जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं. अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं. अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है.

सही/-
श्री अमित अशोक चौधरी

आम सूचना

मैं श्री अमित अशोक चौधरी सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. 402, चौथा माला, ट्वीन कॉम्पलेक्स, मेन रोड, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 43सीआय009918200) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती मालती अशोक चौधरी व मिस गायत्री अशोक चौधरी के नाम पर है. उनसे रिलीज एग्रीमेंट दि. 5.4.2025 द्वारा प्राप्त की है. जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं. अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं. अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है.

सही/-
श्री अमित अशोक चौधरी

आम सूचना

हम श्री सूरज बाबासो पाटील व श्रीमती प्रदन्या सूरज पाटील सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. 501, पांचवा माला, सुरभी पैलेस, होली फैमिली स्कूल के पास, लाल चक्की, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 40सीओ009274600) उक्त प्रॉपर्टी श्री संजय जी. वाधवा व श्रीमती किरण जी. वाधवा के नाम पर है. उनसे सेल एग्रीमेंट 2.4.2025 द्वारा हमने खरीदी है. जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं. अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं. अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है.

सही/-
श्री सूरज बाबासो पाटील व
श्रीमती प्रदन्या सूरज पाटील

आम सूचना

मैं श्री दुर्गेश अवदेश शर्मा सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, (पोर्शन) 300 चौ.फुट, बैरक नं. 735 के पास, बालकन जी बारी, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 25बीओ004406400) उक्त प्रॉपर्टी श्री टेहलसिंघ जागीरसिंघ संधू के नाम पर है. उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 24.3.2025 सी.नं. 657 द्वारा खरीदी है. जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं. अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं. अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है.

सही/-
श्री दुर्गेश अवदेश शर्मा

आम सूचना

मैं श्रीमती सोनल दादासाहेब निकम सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, 300 चौ.फुट, बाबा रामदेव नगर, एमआयडीसी पानी का टेंक के पास, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीओ021753200) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती संगीता संतोष निकम के नाम पर है. उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 26.3.2022 सी.नं. 329 द्वारा खरीदी है. जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं. अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं. अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है.

सही/-
श्रीमती सोनल दादासाहेब निकम

आम सूचना

हम श्री वाशदेव लालचंद जयसिंघाणी व श्रीमती पूजा वाशदेव जयसिंघाणी सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. 601-बी, 6ठा माला, अंकलेश्वर पैलेस अपार्टमेंट, रुम नं. 16,17,18, ब्लाक नं. सी-3, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 52डीआय011305100(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री हितेश गोपालदास मंगलाणी के नाम पर है. उनसे सेल एग्रीमेंट 5.12.2022 सी.नं. 968 द्वारा हमने खरीदी है. जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं. अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 15 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं. अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है.

सही/-
श्री वाशदेव लालचंद जयसिंघाणी व
श्रीमती पूजा वाशदेव जयसिंघाणी

आम सूचना

मैं श्री मनोज शैलेशकुमार रावल सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, 241 चौ.फुट, सामने बैरक नं. 74, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 15एआय015698900) उक्त प्रॉपर्टी श्री चिमनलाल हरगोविंद रावल के नाम पर है. उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 26.5.2024 सी.नं. 633 द्वारा खरीदी है. जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं. अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं. अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है.

सही/-
श्री मनोज शैलेशकुमार रावल

आम सूचना

मैं श्रीमती चम्पा अशोक जयस्वार सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, 180 चौ.फुट, हनुमान नगर, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 19बीओ019690200) उक्त प्रॉपर्टी श्री अशोक दुधनाथ जयस्वार के नाम पर है. उनसे गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 19.2.2025 सी.नं. 370 द्वारा प्राप्त की है. जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं. अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं. अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है.

सही/-
श्रीमती चम्पा अशोक जयस्वार

STAFF REQUIRED
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
उल्हास NEWS LIVE
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
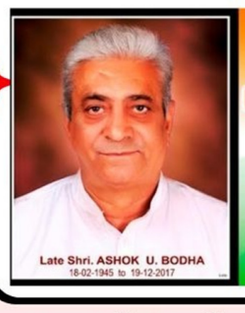
Late Shri. ASHOK U. BODHA
18-02-1945 to 19-12-2017
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099